भीमसेन के पास बनेगा 500 एकड़ में ईवी पार्क

परियोजना से कम कार्बन उत्सर्जन व स्वच्छ ऊर्जा को मिलेगा बढ़ावा

700 करोड़ से डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन पीपीपी मॉडल पर बनाएगा

ईवी पार्क बनने से अच्छा निवेश आएगा

लखनऊ/कानपुर। कानपुर महानगर विकास विजन 2030 के तहत कानपुर के भीमसेन के पास 500 एकड़ क्षेत्र में अत्याधुनिक ईवी पार्क बनाया जाएगा। परियोजना की समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि परियोजना की अनुमानित लागत 700 करोड़ रुपये होगी। डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन पीपीपी मॉडल के तहत इस अत्याधुनिक पार्क को विकसित करेगी। शहर के उद्यमियों ने ईवी पार्क बनने से अच्छे निवेश आने की संभावना जताई है। साथ ही रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

पार्क में इलेक्ट्रिक मोटर, चेसिस, स्टील पार्ट्स, और लिथियम-आयन सेल विनिर्माण इकाइयों की स्थापना की जाएगी। इसके अलावा पार्क में चार्जर, कंट्रोलर, और इलेक्ट्रॉनिक सामानों के उत्पादन के सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। ईवी पार्क निर्माण का उद्देश्य इलेक्ट्रिक वाहनों की आपूर्ति शृंखला को स्थानीय स्तर पर मजबूत करना और स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देना है। परियोजना के जरिये अनुसंधान और विकास कार्यों पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा, जिससे नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।

ईवी पार्क में ईवी सहायक क्लस्टर भी विकसित किया जाएगा। इससे स्थानीय उद्यमियों के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। डीएफसीसी कॉरिडोर के निकट होने से यह पार्क लॉजिस्टिक्स और कनेक्टिविटी के मामले में भी लाभकारी होगा।

उधर, आईआईए के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील वैश्य का कहना है कि सरकार की ओर से कानपुर में ईवी पार्क बनाना एक बहुत सार्थक और महत्वपूर्ण कदम है। आईआईए इसकी मांग लंबे समय से कर रहा था। एलएमएल बंद होने के बाद कानपुर में कोई भी बड़ी इंडस्ट्री नहीं रह गई थी। ईवी पार्क बनने से अच्छा निवेश आएगा।

वहीं, फीटा के महासचिव उमंग अग्रवाल का कहना है कि कानपुर में इलेक्ट्रिक व्हीकल का बाजार तेजी से बढ़ रहा है। इलेक्ट्रिक स्कूटी, ई रिक्शा, ऑटो की शहर समेत पूरे उत्तर प्रदेश में बहुत मांग है। ईवी पार्क बनने से आयरन, स्टील से जुड़े उद्यमियों को भी लाभ होगा। ब्यूरो